महाप्रबंधक कार्यालय
पश्चिम मध्य रेल,
इंद्रा मार्केट, जबलपुर

पमरे ने ट्रैक रिन्यूअल में किया नए प्रकार की रेल का उपयोग
विश्व स्तरीय मानक की नई ग्रेड की रेल आर 260 का उपयोग शरू
आत्मनिर्भर भारतीय रेल की ओर कदम

भारतीय रेल भी विश्व स्तरीय रेलों की भांति नयी तकनीक का उपयोग करने में आगे बढ़ रहा है। भारतीय रेल द्वारा "आत्म निर्भर भारत" की दिशा में अपनी पहचान को बढ़ाया है। "आत्म निर्भर भारत" के अंतर्गत सेल भिलाई स्टील प्लांट (SAIL) द्वारा भारतीय रेल के ट्रैक में नयी तकनीक की सफलता पूर्वक आर 260 ग्रेड का उत्पादन अप्रैल 2021 से शुरू कर दिया गया है। इस नयी ग्रेड को भारतीय रेलवे के अनुसंधान एवं मानक संगठन (RDSO) द्वारा निर्धारित निर्देशों जो कि विश्व स्तरीय मानक पर आधारित है। सेल की तकनीक आरडीएसओ द्वारा निर्धारित निर्देश के अनुसार आर 260 ग्रेड यूरोपियन मानकों की तुलना में अधिक कठोर है। भारतीय रेल ट्रैक पर उच्च गति एवं अधिकतम फ्रेट लोड की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेल के आर 260 ग्रेड का ट्रैक का उपयोग किया जा रहा है।

पमरे द्वारा ट्रैक रिन्युअल में इस नई तकनीक की बेहतर रेल का उपयोग शुरु कर दिया है। साथ ही साथ रेलों को जोड़ने के लिए नई R–260 वेल्डिंग पद्धति का भी उपयोग किया जा रहा है। गौरतलब है कि पहले 13 मीटर की रेल होती थी जिसमें 01 किमी के ट्रैक में 70–80 वेल्ड जोड़ होते थे, पर अब नई तकनीक से ट्रैक रिन्युअल में रेल आर 260 ग्रेड के 260 मीटर के एक रेल के उपयोग से 01 किमी के ट्रैक में मात्र लगभग 08–10 वेल्ड जोड़ का प्रयोग किया जाता है, जिससे राइडिंग क़्वालिटी, सरंक्षा, मैनपॉवर, ब्लॉक और धन राशि की भी बचत होती है।

पश्चिम मध्य रेल को वर्ष 2021–22 में 170 किलोमीटर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें मुख्यतः R–260 रेल का प्रयोग किया जायेगा। जिसमें जबलपुर मण्डल में कटनी–बीना एवं कटनी सिंगरौली, भोपाल मण्डल में बीना–भोपाल एवं बीना–गुना एवं कोटा मण्डल में नागदा–मथुरा रूटों पर पूरा किया जायेगा।

नई ग्रेड ट्रैक रेल R–260 ग्रेड से रेलवे को कई बुनियादी फायदे होंगे ।

- यह रेल की उच्च शक्ति 550 एमपीए (मेगा पास्कल) है जिससे ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए तथा भारी एक्सल के ट्रेनों के परिचालन के लिए काफी उपयोगी है।
- यह रेल वैनेडियम युक्त मिश्र धातु का है जिससे जंग एवं रेल फ़्रैक्चर में कमी तथा रेल की स्तिथी अच्छे रहने से रेल में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी।
- नयी प्रकार की रेल जो कि 260 मीटर लम्बी है, ट्रैक की रिन्युअल से गुणवत्ता में बेहतर सुधार होगा और इसके रखरखाव में ख़र्चा एवं समय की बचत होगी।
- भारी एक्सल से रेल यातायात की बढ़ोत्तरी होने से रेल राजस्व भी बढ़ेगा।
- ट्रैक में कम वेल्ड होने के कारण परिचालन गुणवत्ता सुधरेगी।

पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एवं उसको पूरा करने और उससे भी बेहतर बनाने के लिए हमेशा ही नयी तकनीक उपयोग करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

———————————————————————————————————————

संख्याः पमरे/मुख्या/मुजसअधि/प्रेस विज्ञप्ति/257/2021 दिनांक 19.07.2021

सम्माननीय संपादक,

कृपया जनहित में उपरोक्त समाचार अपने लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित कर सहयोग करें.

'सधन्यवाद

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर